Crash In Mexican Stock Market

2215. SHRI INDER KUMAR GUJRAL:
SHRI B.K. HARIPRASAD:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Governemnt are aware of recent crash in Mexican Stock Market and of the lopsided economic policies causing economic depression and if so, whether we have gained any hindsight to take correcting measures wherever called for;

(b) whether there is any similarity between policies pursued by the Mexican Governemnt and our current liberalisation package and the symptoms of an imminent depression in double-digit inflation, expantion of Government deficit and Government borrowings, subsidies on public supplies, services and utilities and its unproductive expenditure; and

(c) whether Government will reduce its non-plan expenditure and deficit and maintain import barriers until our industry is able to compete with sustained export performance?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKAR MURTHY): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir. There is substantial difference of sequencing and speed of the economic policies pursued by India and Mexico.

(c) Non-plan expenditure has shown deceleration since the introduction of economic liberalisation programme.

Table

(Rs. in crore)

	1990-91	1993-94	1994-95	1995-96
Non-plan Expenditure*	76,933	98,998	1,13,511	1,23,651
(i) Rate of Growth(Percentage)	(+) 17.7	(+) 15.2	(+) 14.7	(+) 8.9
(ii) Proportion of GDP(Percentage)	14.4	12.6	12.5	11.8

*Include both revenue and capital expenditure.

Collection of various Central Taxes

2216. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the target fixed for collection of various Central taxes during the period of 1994-95 and 1995-96;

(b) the amount of taxes collected by Government during the first three months of current financial year;

(c) whether the revenue collection during the above period has shown any increase over the corresponding period last year;

(d) if so, the details thereof; and

(e) the steps being taken by Government to achieve the targets by the end of the current financial year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKHAR MURTHY): (a) to (d) The necessary details are given in the enclosed statement *(see below)*.

(e) All possible steps are being taken by the Government to maximize revenue collection during the current financial year.

Statement

(in crores of Rs.)

Name of Tax	Budget Estimates for 1994-95	Revised Budget Estimates for 1994-95	Budget Estimates for 1995-96	Collection in the first three months of this financial year (Provisional)	% increase (+) or decrease (–) over the corresponding period last year
1	2	3	4	5	6
Corporation Tax	12,480	13,250	15,500	1509.67	+283.44
Income Tax	10,925	11,000	13,500	1458.01	+26.90
Interest Tax	1,044	1,000	1,000	32.11	+87.33
Expenditure Tax	210	170	175	58.00	+16.09

1	2	3	4	5	6
Estate Duty	1.00	1.00	1.00	(-).01	+94.11
Wealth Tax	125.00	80.00	90.00	15.32	-53.24
Gift Tax	5.00	14.00	10.00	1.69	+39.66
Customs	25,200	26,450	29,500	5449.72	+11.07
Central Excise Duties	86,530.85	36,732.35	42,579.20	8278.59	+17.36

*Exclusive of cesses not administered by deptt. of Revenue.

विदेशी मुद्रा का अवैध व्यापार

2217. **श्री ईशदत्त यादव:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कया सरकार की जानकारी में विदेशी मुद्रा के अवैध व्यापार के मामले आये हैं;

(ख) यदि हां, तो ऐसे कितने मामलों का पता लगा है और पिछले छ: महीनों के दौरान कितने मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त की गई है; और

(ग) विदेशी मुद्रा के अवैध व्यापार को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाये गये हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम.वी. चन्द्रशेखर मूर्ति): (क) से (ग) सितम्बर 1994 से फरवरी 1995 के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा के अवैध व्यापार के 423 मामले दर्ज किए और 1.68 करोड़ रु. की विदेशी मुद्रा जब्त की। इस प्रकार के व्यापार पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और जब भी कोई विशेष सूचना प्राप्त होती है तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाती है।

बैंक और ग्राहकों के बीच मुकदमेबाजी

2218. **श्री ईश दत्त यादव: श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बैंक ग्राहकों को उनकी शिकायतों का संतोषप्रद निपटारा न होने की सूरत में सिविलि न्यायालयों में जाना पड़ रहा है;

(ख) 31 जनवरी, 1995 की स्थिति के अनुसार बैंकों और उपभोक्ताओं के बीच बैंक वार-कितने कितने मुकदमें/मामले लंबित हैं; और

(ग) सरकार शिकायत निवारण कक्ष की ओर अधिक प्रभावी बनाने के लिए क्या-क्या प्रयास कर रही है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम.वी. चन्द्रशेखर मूर्ति): (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

करोड़ रुपये की बकाया धनराशि वाले चूककर्ता

2219. **श्री ईशदत्त यादव:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने ऐसे चूककर्ताओं की सूची बैंको में परिचालित की है जिनकी ओर एक करोड़ रुपये से अधिक की बकाया धनराशि है और क्या सरकार ने बैंक खातों के ऐसे मामलों की सूची प्रकाशित की है जिनमें एक करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जमा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम.वी. चन्द्रशेखर मूर्ति): (क) से (ख) भारतीय रिजर्व बैंक ने चूककर्ताओं और मुकदमा दायर खातों के बारे मे सूचना एकत्र करने और उसका प्रसार करने की एक योजना तैयार की है। इस योजना के अनुसार बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे उन उधार खातों का विस्तृत ब्यौरा प्रत्येक वर्ष के 15 अप्रैल और अक्टूबर तक भारतीय रिजर्व बैंक के पास भेज दें जिन्हें एक करोड़ रुपया या उससे अधिक के बकाया (निधिबद्ध और गैर-निधिबद्ध दोनों) सहित संदिग्ध, घाटा देने वाली और मुकदमा दायर के रूप में वर्गीकृत किया गया है। प्रथम चरण में भारती रिजर्व बैंक द्वारा एकत्र की गई सूचना बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को इस आशय के साथ भेजी गई हैं कि वे चूककर्ता उधारकर्त्ताओं द्वारा और उन स्वत्वधारियों/भागीदारों/निदेशकों जिनके नाम सूचों में दिये गये हैं, द्वारा भी अपने नामों पर या अन्य एककों पर जिनसे वे जुड़े हैं, के नाम पर किये गये नये या अतिरिक्त ऋण सीमाओं के अनुरोध पर गुण-दोषों के आधार पर विचार करते समय इसका उपयोग करें। तथापि, सरकार ने उन बैंक खातों से सम्बन्धित मामलों की कोई सूची प्रकाशित नही की है जिसमें 1 करोड़ रुपये से अधिक जमा किये गये हैं।

(ग) प्रश्न के भाग (ख) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न ही पैदा नहीं होता।